विश्व न्याय मन्दिर

13 नवम्बर 2021

उपासना गृह के समर्पण हेतु तन्ना,
वानुअतु में एकत्रित मित्रों के लिए

प्रिय स्नेही मित्रों,

असीम प्रेम से भरे हृदयों के साथ, जब आप प्रशांत महासागर में प्रथम स्थानीय मशरिकुल-अशकार के द्वारों के उद्घाटन को देखने के लिए एकत्रित हुए हैं, तब हम इस महान उल्लास के दिन आप सभी को बधाई देते हैं। यह एक यशस्वी विजय है, जो वानुअतु में महानतम नाम के समुदाय की स्थापना के लिए ईश्वरीय योजना की पातियों में व्यक्त अब्दुल-बहा की संकल्पना को परिपूर्ण करती है। मास्टर के स्वर्गारोहण की शताब्दी वर्ष में समर्पित यह गौरवशाली संस्थान सभी धारणाओं के लोगों को साहचर्य और सद्भाव में एकत्र होने तथा ईश्वर की स्तुति और महिमा में प्रवृत्त होने के लिए आमंत्रित करता है।

इस उपासना गृह की आध्यात्मिक नींव रखने का कार्य इसके निर्माण से बहुत पहले ही प्रारम्भ हो गया था। हम उन मित्रों के आत्म-बलिदान के प्रयासों को गहन प्रशंसा के साथ स्मरण करते हैं, जिन्होंने वानुअतु में सर्वप्रथम प्रभुधर्म प्रस्तुत किया था, और उन प्रथम उज्ज्वल अनुयायियों को जो उस जगह के मूल निवासी हैं, याद करते हैं, जिन्होंने अपने देशवासियों, जनजातियों और परिवारों तक बहाउल्लाह के रोगनिवारक संदेश को पहुंचाया। यह वास्तव में धन्यवाद देने का क्षण है कि आशीर्वादित सौंदर्य ने नि:स्वार्थ सेवा, भक्ति और ईश्वर के प्रेम की भावना से प्रतिष्ठित एक समुदाय का निर्माण किया है। प्रार्थना की शक्ति से आपने ईश्वर पर पूर्ण विश्वास किया है, और अपनी ऊर्जा को दूसरों की सेवा में लगाकर, आपने सहयोग और परस्पर सहायता से चुनौतियों का पार किया है। वास्तव में, हमने देखा है कि विपत्ति के समय में आपने असाधारण लचीलापन दिखाया है।

इस मन्दिर का उद्भव एक सामुदायिक जीवन की एक बाह्य अभिव्यक्ति है जो उपासना और सेवा के मिलन के माध्यम से रूपान्तरित हो गई है, और यह नि:संदेह उन लोगों के जीवन पर गहरा आध्यात्मिक प्रभाव डालेगा जो तन्ना द्वीप पर आपके सम्पूर्ण देश में तथा उससे भी परे रहते हैं। वानुअतु के प्रिय मित्र अब निश्चित रूप से अपने समुदायों की आध्यात्मिक और भौतिक समद्धि में योगदान देने और मानवजाति की एकता के निर्विवाद

सत्य पर स्थापित, उच्च स्तर की एकता को अपने समाज के भीतर बढ़ावा देने के अपने प्रयासों को तेज करेंगे।

यह पवित्र भवन प्रकाश के दीप स्तम्भ के रूप में चमकता है। यह एक ऐसा केन्द्र बने जहां से आध्यात्मिक शक्तियां विकीर्ण हों, यह प्रभु के प्रकाश को बिखेर सके और भोर की देदीप्यमान किरणों की तरह, आपके सामने के क्षितिज को रोशन कर सके। हम इस एतिहासिक क्षण पर अपने प्रिय मास्टर के शब्दों को याद करते हैं : "जब मशरिकुल-अशकार पूर्ण हो जाता है, जब उससे रोशनी निकलने लगती है और धर्मी उसमें इकट्ठा हो जाते हैं, जब दिव्य रहस्यों के साम्राज्य के लिए प्रार्थना अर्पित की जाती है और महिमा का स्वर सर्वोच्च प्रभु के लिए उठाया जाता है, तब आस्थावान आनंदित होंगे और उनके हृदय चिरस्थायी और स्वयंजीवी ईश्वर के प्रेम से उत्प्लावित हो जायेंगे।"

विश्व न्याय मन्दिर